

तड़ति चालक और वज्रपात

स्रोत: द हट्टि

जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान और वायुमंडलीय नमी में वृद्धिसे वैश्विक स्तर पर वज्रपात की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ रही है क्योंकि गर्म वायु और आर्द्र बादलों के संपर्क से आवेश पृथक्करण को बढ़ावा मिलता है।

- **वज्रपात:** यह एक प्राकृतिक वदियुतीय घटना है जो तूफानों के दौरान वायुमंडल में स्थैतिक वदियुत आवेश के संग्रहण के कारण होती है।
 - इसका निर्माण तब होता है जब बादलों में जल की बूँदें बर्फ के क्रिस्टल के रूप में जम जाने से इनके बीच घर्षण होता है, जिससे एक स्थैतिक चार्ज उत्पन्न होने से अंततः वज्रपात होता है।
- **तड़ति चालक:** यह सुचालक छड़ है जिसे वदियुत को आकर्षित करने तथा उसके निर्वहन हेतु एक नियंत्रित पथ प्रदान करने के क्रम में किसी बलिडगि के सबसे ऊँचे बिंदु पर स्थापित किया जाता है।
 - वदियुत, सबसे अधिक वदियुत वभिष वाली वस्तु की ओर आकर्षित होती है।
 - छड़ के आकार से एक मज़बूत वदियुत कषेत्र बनता है जिससे धारा के प्रवाह हेतु एक मार्ग मिलता है। छड़ से वदियुत आवेश भूमिकी ओर स्थानांतरित होता है, जिसके कारण वदियुत आवेश जमीन में जाकर नषिक्रिय हो जाता है।

और पढ़ें: [भारत में आकाशीय बजिली](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/lightning-rods-and-lightning-strikes>

